प्रेस विज्ञप्ति

एक भारतीय संसदीय शिष्टमंडल ने दोनों देशों के बीच संसदीय संबंधों को बढ़ावा देने और उन्हें मजबूत करने के लिए माननीय संसदीय कार्य तथा कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री, श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया के नेतृत्व में 28-31 मई, 2017 के दौरान स्वीडन का दौरा किया।

संसदीय शिष्टमंडल में श्री भर्तृहरि महताब, संसद सदस्य (लोक सभा), बी.जे.डी., श्री एम.पी. जितेन्द्र रेड्डी, संसद सदस्य (लोक सभा), टी.आर.एस., श्री चंद्रकांत भाऊराव खैरे, संसद सदस्य (लोक सभा), शिव सेना, श्री राम कुमार वर्मा, संसद सदस्य (राज्य सभा), बी.जे.पी., श्री एम.के. राघवन, संसद सदस्य (लोक सभा), आई.एन.सी., श्री पलानीवेल कुमार, संसद सदस्य (लोक सभा), ए.आई.ए.डी.एम.के., श्री चिंतकुंटा मुनैया रमेश, संसद सदस्य (राज्य सभा), टी.डी.पी., श्री मोहम्मद फैजल पादीप्पुरा, संसद सदस्य (लोक सभा), एन.सी.पी. और श्री येरम वेंकट सुब्बा रेड्डी, संसद सदस्य (लोक सभा), वाई.एस.आर.सी.पी. और सचिव, संसदीय कार्य मंत्रालय, श्री राजीव यादव शामिल थे।

माननीय मंत्री के नेतृत्व में संसदीय शिष्टमंडल ने 29 मई, 2017 को स्वीडन के समन्वय एवं ऊर्जा मंत्री, श्री इब्राहिम बेलान से प्रधान मंत्री कार्यालय में और 30 मई, 2017 को रिक्सडैग (स्वीडन की संसद) के अध्यक्ष, श्री अर्बेन अहलिन और विदेश मंत्री, सुश्री मार्गोट वॉलस्ट्रॉम से मुलाकात की।

मंत्रिस्तरीय शिष्टमंडल ने 30 मई 2017 को स्वीडन की संसद का भी दौरा किया तथा भारत-स्वीडन संसदीय संघ की अध्यक्ष, सुश्री आसा कोनरॉड्स से मुलाकात की। स्वीडिश संसद की विदेश मामलों संबंधी समिति के अध्यक्ष, श्री केनेथ जी. फोर्सलुंद ने भारतीय शिष्टमंडल के सम्मान में दोपहर के भोजन की मेजबानी की।

स्वीडिश संभाषियों के साथ अपनी बैठकों में माननीय मंत्री, श्री अहलुवालिया ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता और परमाणु आपूर्तिकर्ता समूह की सदस्यता के लिए भारत की उम्मीदवारी हेतु सुसंगत और स्पष्ट समर्थन के लिए स्वीडन का धन्यवाद किया। उन्होंने भारत और स्वीडन के बीच द्विपक्षीय संबंधों की लगातार सुदृढ़ता पर संतोष व्यक्त किया और स्वीडिश अध्यक्ष के आगामी भारत दौरे समेत दोनों लोकतंत्रों के बीच संसदीय संबंधों के महत्व को रेखांकित किया। मंत्री ने वैश्विक चिंता के अन्य मुद्दों के अलावा द्विपक्षीय राजनीतिक और आर्थिक संबंधों के सभी पहलुओं पर भी चर्चा की। मंत्री ने वैश्विक स्तर पर और विशेष रूप से दक्षिण एशियाई क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद से उत्पन्न खतरे और इसे प्रायोजित और पोषित करने वाले देशों सहित वैश्विक खतरे से निपटने हेतु अंतरराष्ट्रीय समुदाय द्वारा मिलकर काम करने की जरूरत पर बल दिया। मंत्री ने जोर देकर यह भी कहा कि वे छोटे-मोटे अराजकतावादी नहीं हैं बल्कि वे सुशिक्षित, सुप्रेरित, सुप्रशिक्षित, सुसज्जित, सुसंयोजित और भली-भांति वित्त पोषित हैं। मंत्री ने संयुक्त राष्ट्र में अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक सम्मेलन के लिए स्वीडन के समर्थन की मांग की।

मंत्री और शिष्टमंडल ने 28 मई को भारत की राजदूत सुश्री मोनिका कपिल मोहता द्वारा आयोजित स्वागत समारोह में भारतीय समुदाय से, स्वीडिश सरकार और संसद के प्रतिनिधियों तथा व्यापार और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों से भी बातचीत की। उनको भारत-स्वीडन व्यापार परिषद द्वारा स्वीडन-भारत आर्थिक संबंधों पर एक प्रस्तुति भी दी गई।

भारत के इस उच्चस्तरीय संसदीय शिष्टमंडल के दौरे से मौजूदा उच्चस्तरीय संबंधों को पुनः ऊर्जा मिलने और भारत-स्वीडन संबंधों के और मजबूत होने की आशा है।

...

स्टॉकहोम, 31 मई, 2017